



शिवरात्रि के पातन पर्व पर भोले बाबा का कीर्तन

दिनांक: 16 फरवरी 2023 सांय 3 बजे, दिनांक 17 फरवरी 2023 प्रातः 10 बजे से

**स्थान—नेकसा ट्रूवेल्यू, काथीपुरटोड
ग्रीन पार्क गोटके सामने, लद्धपुर**

भंडारा और कांवरियों की सेवा में निरंतर रहेगा। कांवरियों के ठहरने की उत्तम व्यवस्था रहेगी।

**आयोजक—श्री शिव सेवा संस्थान
एवं सांध्य दैनिक उत्तरांचल दर्पण**

समाज विरोधी ताकतों के खिलाफ रहना चाहिये एकजुटः शिव

**केंद्र सरकार का आम बजट
सराहनीय : इंतजार हुसैन**

रुद्रपुर(उद संवाददाता)। हिन्दू अनूप दत्ता, संरक्षक कुकरेजा, प्रदेश रक्षा दल के कार्यकारणी विस्तार प्रवक्ता कृष्ण पाल शर्मा, जिला अध्यक्ष कार्यक्रम पहुँचे विधायक शिव अरोरा, कुलदीप खुराना, उपाध्यक्ष महेश द्राजिट कैम्प क्षेत्र के शिव मंदिर में गंगावार और जिला महामंत्री अनुज शर्मा आयोजित हुए विस्तार कार्यक्रम में ने पद भार ग्रहण किया। विधायक शिव

और अपने धर्म संस्कृति का ज्ञान हमारी पीढ़ी को रहे ऐसा प्रयास होना चाहिये। विधायक शिव अरोरा ने कहा हमें कुछ असामाजिक ताकतों के खिलाफ भी सचेत रहना की आवश्यकता है और

शिव अरोरा ने कहा ऐसी लवजेहारी ताकतों रुद्रपुर किसी भी कीमत पर बर्दाशत नहीं किया जायेगा। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री विकास शर्मा, मण्डल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, धर्म सिंह कोली,

गदरपुर(उद संवाददाता)। भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष इन्तजार हुसैन ने कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जी ने वर्ष 2023-2024 का आम बजट पेश किया है जिसमें उन्होंने मध्यम वर्ग को बड़ी संख्या में ऐसे लोगों को इस बजट से जोड़ा है जोकि सराहनीय है। 7 लाख रुपए की वार्षिक कमाई करने वाले को बड़ी राहत दी है इसमें देश का एक बहुत बड़ा कारोबारी नौकरी पैसा आता है जिसको बड़ी संख्या में आयकर छूट से लाभ मिलेगा। वित्त मंत्री ने महिला बचत सम्मान योजना भी इस आम बजट में दी है जिसमें महिलाओं को बचत करने के लिए बचत को प्रोत्साहित करने के लिए मील का पथर यह योजना सावित होगी इस योजना में 7.5 फीसदी का सालाना ब्याज भी मात्रुक्ति को प्राप्त होगा। वित्त मंत्री ने देश के किसानों का ध्यान रखते हुए किसानों के लिए श्री अनं योजना लागू की है इस योजना के तहत ऐसे किसान जो मोरे अनाज का उत्पादन करते हैं उनको बढ़ावा मिलेगा। वित्त मंत्री ने महिला बचत सम्मान योजना भी इस आम बजट में दी है जिसमें महिलाओं को बचत करने के लिए बचत को प्रोत्साहित करने के लिए मील का पथर यह योजना सावित होगी इस योजना में 7.5 फीसदी का सालाना ब्याज भी मात्रुक्ति को प्राप्त होगा। वित्त मंत्री ने देश के किसानों का ध्यान रखते हुए किसानों के लिए श्री अनं योजना लागू की है इस योजना के तहत ऐसे किसान जो मोरे अनाज का उत्पादन करते हैं उनको बढ़ावा मिलेगा किसान आर्थिक रूप से मजबूत होंगे। देश में कोरोना कॉल के बाद देश की आर्थिक मंदी की भी 7 फीसदी ग्रोथ बड़ी है देश के इकोनोमी का आधार बड़ा है देश दुनिया की 5 बी अर्थ व्यवस्था बन गया है यह अमृत काल का बजट है। इस बजट में रेलवे के लिए भी 2.4 लाख करोड़ रुपए दिए गए हैं रेलवे को आर्थिक रूप से उभारने की ओर ध्यान दिया है अबन इन्फ्राट्रक्चर के हर वर्ष 10 हजार करोड़ रुपए जारी किए जाएंगे बजट नए भारत की समृद्धि का नया संकल्प है।



सर्वप्रथम कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर हुआ। वही कार्यक्रम रक्षा दल समाज हित में हिंदुत्व के कार्यों को मजबूती से आगे बढ़ाने का कार्य करता रहे, जिससे समाज संगठित हो उनको उज्जवल भविष्य होता है तु और समाज में जन जागरण का कार्य घर तक चले हमारे लोग जगरूक हो

अरोरा ने कार्यक्रम के दौरान कहा हिन्दू रक्षा दल समाज हित में हिंदुत्व के कार्यों को मजबूती से आगे बढ़ाने का कार्य करता रहे, जिससे समाज संगठित हो उनको उज्जवल भविष्य होता है तु और समाज में जन जागरण का कार्य घर तक चले हमारे लोग जगरूक हो

ऐसे ताकते के खिलाफ पूरजोर विरोध करना चाहिये, विधायक ने पूरी कार्यकारणी को बधाई दी और कहा आप हिन्दू संस्कृति को आगे ले जाने का कार्य करें वह उनके हर कार्य में क्षेत्र का विधायक होने के नाते साथ खड़े हैं। विधायक

विराट आर्य, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी मयंक ककड़, राम अवतार, राजा भरद्वाज, गिरीश पाल, राजकुमार कोली, मनोज गंगावार, पंकज गुप्ता, सोनू सुनू एवं दिवाकर, भूपराम, डी के गंगावार, जी के शर्मा व अन्य लोग मौजूद रहे।

गदरपुर(उद संवाददाता)। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाई सरदार प्रेम सिंह ग्रोवर का आकस्मिक निधन हो गया। वह बहुत ही मधुर स्वभाव के धनी थे जीवन भर उन्होंने गुरु घर की सेवा करते हुए समाज में सभी को प्रेम से रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने पूरे परिवार को हमेशा एक सूत्र में पिरोह के रखा। उनके निधन के पश्चात उनकी इच्छानुसार पुत्रों ने दुख की घड़ी में भी समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए नेत्रदान हेतु सोचों क्षमतामूलक संस्था से संपर्क किया तात्पर्यात् सी एल गुप्ता आई बैंक मुरादाबाद की टीम द्वारा सफलता पूर्वक नेत्रदान लिए गए। उनके नेत्रों से किन्हीं दो लोगों के जीवन में रोशनी आएगी। जिंदगी के बाद भी जिंदा उनकी आंखे जिंदा रहेगी। सरदार प्रेम सिंह को

बागेश्वर। वेद व्यास नवीन चन्द्र जोशी ने कहा कि भागवत कथा सुनने मात्र से ही सारे कष्टों का नाश होता है। उन्होंने कहा कि सारे कष्टों का संहार ईश्वर स्पर्श करने से होता है। इसलिए व्यभिचार छोड़ ईश्वर भक्ति पर मन लगाए। श्री जोशी दिव्येश्वर मंदिर में आयोजित श्रीमद भागवत कथा में कथा वाचन कर भक्तों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि श्रीमद भागवत कथा सुनने मात्र से ही शरीर के सारे कष्ट दूर हो जाते हैं। इस संसार में भौतिक सुखों के चलते मनुष्य ईश्वर भक्ति छोड़ दुर्व्यसन एवं अनैतिक कार्यों में ज्यादा मन लगा रहे हैं। जो उनके लिए तो घातक है ही साथ ही समाज के लिए भी नुकसानदेह है।

मनुष्य को सन्मति प्राप्त होती है। वही उसके लिए जाते हैं।

श्री जोशी ने कथा वाचन करते हुए कहा

साथ ही पापियों को उनके पाप से भी हम वर्मा, राजेन्द्र सिंह रावत, किशन गिरि, तारती है। उन्होंने कहा कि इस दौरान राम गिरि, किशन सिंह रावत, नंदन भरड़ा, श्री श्री 108 ब्रह्मलीन देवनारायण गिरि राजेन्द्र सिंह भरड़ा, त्रिलोक कठायत,

आकस्मिक निधन पर नगर की सोचो डिफ्रैंट संस्था, पंजाबी सभा, गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा, व्यापार मंडल, जय भवानी जागरण मंडल सहित विभिन्न समाजिक, राजनीतिक, गैर राजनीतिक संगठनों ने श्रद्धांजलि अर्पित की।

मनुष्य को सन्मति प्राप्त होती है। वही उसके लिए जाते हैं।

श्री जोशी ने कथा वाचन करते हुए कहा

महाराज के शिष्य भगीरथ गिरि, यजमान राजेन्द्र भरड़ा, धीरज जोशी, लाल सिंह योगेश वर्मा, मोनिका वर्मा, विनय लोहानी, राणा खुबर दत्त पांडेय, विक्की काण्डपाल,

नवीन चन्द्र, कैलाश पांडेय, मनीष वर्मा, विपिन पांडेय, बालम सेतेला आदि मौजूद थे।

गदरपुर(उद संवाददाता)। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसाई सरदार प्रेम सिंह ग्रोवर का आकस्मिक निधन हो गया। वह बहुत ही मधुर स्वभाव के धनी थे जीवन भर उन्होंने गुरु घर की सेवा करते हुए समाज में सभी को प्रेम से रहने की प्रेरणा दी। उन्होंने अपने पूरे परिवार को हमेशा एक सूत्र में पिरोह के रखा। उनके निधन के पश्चात उनकी इच्छानुसार पुत्रों ने दुख की घड़ी में भी समाज हित को सर्वोपरि रखते हुए नेत्रदान हेतु सोचों क्षमतामूलक संस्था से संपर्क किया तात्पर्यात् सी एल गुप्ता आई बैंक मुरादाबाद की टीम द्वारा सफलता पूर्वक नेत्रदान लिए गए। उनके नेत्रों से किन्हीं दो लोगों के जीवन में रोशनी आएगी। जिंदगी के बाद भी जिंदा उनकी आंखे जिंदा रहेगी। सरदार प्रेम सिंह को

बागेश्वर। वेद व्यास नवीन चन्द्र जोशी ने कहा कि भागवत कथा सुनने मात्र से ही सारे कष्टों का नाश होता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर भक्ति से जहाँ

कि श्रीमद भागवत भगवान की है आरती जिससे नव ज्योति की दिव्य शक्ति शरीर व आत्मा को नई ऊर्जा प्रदान करती है।

महाराज के शिष्य भगीरथ गिरि, यजमान राजेन्द्र भरड़ा, धीरज जोशी, लाल सिंह योगेश वर्मा, मोनिका वर्मा, विनय लोहानी, राणा खुबर दत्त पांडेय, विक्की काण्डपाल, नवीन चन्द्र, कैलाश पांडेय, मनीष वर्मा, विपिन पांडेय, बालम सेतेला आदि मौजूद थे।</p

उत्तरांचल दर्पण सम्पादकीय

कारखानों में बढ़ते हादसे

यह अपने आप में एक बड़ी विडंबना है कि देश के निर्माण में अहम भूमिका निभाने वाले कामगार अपनी मेहनत के बदले उचित पारिश्रमिक और भविष्य के लिए लेकर तो आए दिन व्यवस्था से ज़ूझते ही रहते हैं, रोज उन्हें ऐसी स्थितियों से गुजरना पड़ता है, जिनमें कभी भी उनकी जान जा सकती है। हाल ही में आए एक अंकड़ों के मुताबिक, देश के पंजीकृत कारखानों में होने वाले हादसों में रोजाना औसतन तीन लोगों की मौत हो जाती और ग्यारह लोग घायल हो जाते हैं। अंदाज लगाया जा सकता है कि अगर पंजीकृत कारखानों में यह तस्वीर है तो असंगठित क्षेत्र में क्या हाल होगी, जहां किसी तरह के नियम-कायदे का पालन करना जरूरी नहीं समझा जाता। इस तरह के मामलों में पीड़ित तबका आमतौर पर बेहद गरीब और उपेक्षित होता है, इसलिए उनकी पीड़ितों और अधिकारों की अनदेखी भी आम है। मगर अब राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं को बजार से मजदूरों की मौतों के बढ़ते मामलों को गंभीरता से लिया है। दरअसल हाल ही में केंद्रीय श्रम मंत्रालय के एक संस्थान से प्राप्त अंकड़ों के आधार पर एक लेख में बताया गया कि 2018 से 2020 के दौरान औद्योगिक इकाइयों में होने वाले हादसों में कम से कम तीन हजार तीन सौ इकतीस लोगों की मौत हो गई। मगर अफसोसनाक यह है कि ऐसी दुर्घटनाओं के लिए महज चौदह लोगों का सजा हो पाई। इसी मसले पर मानवाधिकार आयोग ने खुद संज्ञान लेते हुए सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों और श्रम सचिवों को नोटिस जारी किया है और उनसे कारखानों में होने वाली दुर्घटनाओं में मजदूरों की मौतों का ब्योरा उपलब्ध कराने को कहा है। आयोग ने यह भी माना है कि देश में पंजीकृत कारखाने काफी कम हैं। इसके समांतर जो कारखाने पंजीकृत नहीं हैं, उनमें हुए हादसों और मजदूरों के हताहत होने का श्रम विभाग के पास कोई ब्योरा नहीं होता है। बल्कि पंजीकृत औद्योगिक इकाइयों में जितनी दुर्घटनाएं होती हैं, उनमें भी जानमाल की क्षति को कितने वास्तविक रूप में दर्ज किया जाता है, यह कहा नहीं जा सकता। ऐसे में यह समझना मुश्किल नहीं है कि हाशिये के तबके के रूप में पहले ही कई तरह की चंचनाओं और अधिकारों के हनन के शिकार मजदूरों का किस त्रासदी से गुजरना पड़ता होगा। कहने को सरकार ने मजदूरों की सुरक्षा और सेहत को लेकर नई संहिता बना दी है। लेकिन जमीनी स्तर पर आज भी इसका संबंधित प्रावधानों को अमल में नहीं लाया जा सका है। जबकि अक्सर ऐसे मामले सामने आते रहते हैं, जिनमें सरकारों किसी नियम को लागू करने को लेकर बेहद संवेदनशील होती हैं और इसका उल्लंघन करने के आरोपी खास्तौर पर कमजोर तबकों के लोगों को कई बार सख्त सजा भुगतनी पड़ती है। मगर कारखानों में हुई दुर्घटनाओं और उसके लिए जिम्मेदार लोगों या मालिकों तक के प्रति या फिर पीड़ितों को मुआवजे की नीति को लेकर सरकार को यही सजगता दिखाने के जरूरत नहीं लगती। गौरतलब है कि देश में नब्बे फीसद से ज्यादा मजदूर असंगठित क्षेत्र में और दिहाड़ी पर काम करके गुजारा करते हैं, जहां न केवल उनकी मजदूरी की हकमारी होती है, बल्कि बुनियादी मानवाधिकारों का भी हनन होता है यों कामगारों के अधिकारों और काम करते समय उनकी सुरक्षा का मसला शायद सबसे ज्यादा चर्चा का विषय रहा है। लेकिन आज भी अगर इसका कोई ठोस हल नहीं निकल सका है और अनेक मजदूर महज अव्यवस्था और लापरवाही की वजह से जान गंवा बैठते हैं तो इसके लिए किसकी जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मुख्य कृषि अधिकारी पर अज्ञात लोगों ने किया जानलेवा हमला

बागेश्वर (उद संवाददाता)। मुख्य कृषि अधिकारी एसएस वर्मा पर शनिवार की रात अज्ञात लोगोंने जानलेवा हमला कर दिया। उस बक्त वह कमरे में अपने बिस्तर पर थे। सवा दस बजे उनके कमरे के बाहर से अज्ञात व्यक्ति ने पहले दरवाजा खटखटाया। वाही ठंड के मौसम में कमरे की खिड़की दरवाजे बन्द होने से वे अपने दोर्मजिले मकान के पीछे कमरे में थे, मुख्य कृषि अधिकारी सुधर सिंह ने बताया अज्ञात हमलावर ने खिड़की जाली को काटकर अंदर की ओर फायरिंग की है। वही अकेले होने के चलते हमलावर ने उन पर जानलेवा हमला करने की कोशिश की, गनीमत थी कि कमरे बन्द होने से हमलावर के हमला करने के दैरण वे पीछे कमरे में थे, वही हमले के बाद उन्होंने इसकी जानकारी तत्काल मोबाइल से पुलिस उपाधीक्षक शिवराज सिंह रणा को दी रात में जब पुलिस आई तो उसके बाद वर्मा ने दरवाजा खोला। वही घटना की सूचना मिलते ही उनका स्टाफ भी मौके पर पहुंच गया। वही पुलिस ने घटनास्थल की बारीकी से जांच की, कोतवाल कैलाश नंदी ने बताया कि मामले की गण्डीरता से जांच की जा रही है, वही मुख्य कृषि अधिकारी और आसपास के लोगों से जानकारी लेकर जांच कर जल्द मामले का खुलासा करने और जबरन घर में धूसकर गुंडागर्दी करने वाले के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही।

एनसीसी बी व सी प्रमाण पत्र परीक्षा की तिथि घोषित
बागेश्वर (उद संवाददाता)। जिले में एनसीसी कैडेटों के बी एवं सी प्रमाण पत्र परीक्षाओं की तिथि घोषित हो गई है। लौ. कर्नल रविंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि बी प्रमाण पत्र के लिए 11 फरवरी को प्रयोगात्मक व 12 को लिखित परीक्षा महर्षि विद्या मंदिर बिलौना में सुबह साढ़े दस से डेढ़ बजे तक होगी। सी प्रमाण पत्र के लिए 18 फरवरी को प्रयोगात्मक महर्षि विद्या मंदिर में होगी। लिखित परीक्षा 19 फरवरी को विवेकानन्द विद्या मंदिर मंडलसेरा में सुबह साढ़े दस से अपराह्न डेढ़ बजे तक होगी। परीक्षाओं के लिए जिले में छ: परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें महर्षि विद्या मंदिर बिलौना, राइका बनलेख, कपकोट, बोहाला, राइका गरुड़, बाजीरौठ, में परीक्षाएं आयोजित होंगी जिनमें परीक्षा प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। कैंटेक अधिक जानकारी के लिए अपने विद्यालय के एनसीसी शिक्षक से संपर्क कर सकते हैं। ले. कर्नल रविंद्र भंडारी ने सभी कैंडेटों को समय से अपने परीक्षण केंद्रों में पहुँचने की अपील की।

एनसीसी बी व सी प्रमाण पत्र परीक्षा की तिथि घोषित

बागेश्वर(उद संवाददाता)। जिले में एनसीसी कैडेंटों के बी एवं सी प्रमाण पत्र परीक्षाओं की तिथि घोषित हो गई है। ले. कर्नल रविंद्र सिंह भंडारी ने बताया कि बी प्रमाण पत्र के लिए 11 फरवरी को प्रयोगात्मक व 12 को लिखित परीक्षा महर्षि विद्या मंदिर बिलौला में सुवह साढ़े दस से डेढ़ बजे तक होगी। सी प्रमाण पत्र के लिए 18 फरवरी को प्रयोगात्मक महर्षि विद्या मंदिर में होगी। लिखित परीक्षा 19 फरवरी को विवेकानंद विद्या मंदिर मंडलसेरा में सुवह साढ़े दस से अपराह्न डेढ़ बजे तक होगी। परीक्षाओं के लिए जिले में छ: परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं जिनमें महर्षि विद्या मंदिर बिलौला, राइका बनलेख, कपकोट, बोहाला, राइका गरुड़, बाजीरीठ, में परीक्षाएँ आयोजित होंगी जिनमें परीक्षा प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। कैडेंट अधिक जानकारी के लिए अपने विद्यालय के एनसीसी शिक्षक से संपर्क कर सकते हैं। ले. कर्नल रविंद्र भंडारी ने सभी कैडेंटों को समय से अपने परीक्षण केंद्रों में पहुँचने की अपील की।

वैरिवक नेताओं की सूची में शीर्ष पर पहुंची पीएम मोदी की लोकप्रियता

दुनिया में लोकप्रियता के मामले में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दुनिया के दूसरे दिग्गज नेताओं को पीछे छोड़ दिया है। इन पिछड़ने वाले नेताओं में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक बहुत पीछे हैं। बिजनेस इंटेलीजेंस कंपनी और मॉर्निंग कंसल्ट्स के ताजा सर्वे में वैश्विक नेता अनुमोदन सूचकांक में नरेंद्र मोदी ने 22 देशों के शीर्ष नेताओं को पीछे छोड़कर वैश्विक प्रसिद्धि के शिखर पर पहुंच गए हैं। पहले पायदान पर पहुंचे मोदी ने 78 प्रतिशत समर्थन के साथ शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। इस सूची में मोदी के बाद मैक्सिको के राष्ट्रपति लोपेज ओब्रेडोर है। जिन्हें 68 प्रतिशत रेटिंग मिली है। तीसरे स्थान पर आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बरीज है। जो बाइडेन को 40 प्रतिशत रेटिंग के साथ छठवां स्थान मिला है। ब्रिटेन में चुनावों के दौरान सुखियों में रहने वाले ऋषि सुनक 30 प्रतिशत रेटिंग के साथ 16वें स्थान पर है। मोदी की लोकप्रियता उन मुस्लिम देशों में बढ़ी है, जिन्हें समझा जा रहा था कि कश्मीर से धारा 370 हटाने के बाद ये देश मोदी के खिलाफ हो जाएंगे। यही नहीं भूख और मंहगाई से तबाह पाकिस्तानी आवाम अब कश्मीर का राग अलापने की बजाय अपने नेताओं से यह सवाल पूछ रही है कि कश्मीर के नाम पर लड़ी गई जंगों में गरीबी, भुखमरी और पिछड़ेपन के अलावा क्या मिला? इधर कश्मीर में तिरंगा लहराने के साथ करना पड़ा था कि दुनिया के कुछ ऐसे गरीब देश तलाशें, जिन्हें यह अनाज मुफ्त में बतौर मदद दिया जा सके, वरना इसे फंकना पड़ेगा। इसीलिए जानी-मानी अंतरराष्ट्रीय मूल्यांकन संस्था डालबर्ग को एक अध्ययन के आधार पर कहना पड़ा था कि 97 प्रतिशत भारतीय मानते हैं कि चंद कमियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार में भरोसा है। इसी भरोसे ने देश को विश्व की पांचवीं बड़ी अर्थव्यस्था के पायदान पर खड़ा कर दिया है। कोरोना से जब दुनिया में हाहाकार मची हुई थी, तब नरेंद्र मोदी एकाग्रचित से भारत ही नहीं दुनिया का कोरोना से मुक्ति के लिए संघर्षरत थे। कोविड-19 की पहली लहर में जब



नया नारा लगाया जा रहा है 'आर-पार खोल दो, कारपिल को जोड़ दो'। यानी मोदी की लोकप्रियता का परचम चुहुंओर है। जी-20 देशों की अध्यक्षता मिलने से इसे चार चांद लगे हैं। एक के बाद एक ऐश्वर्याई व पश्चिमी देशों की यात्रा आं' में मिली अप्रत्याशित सफलताओं ने प्रधनमंत्री नंदें मोदी को वैश्विक नेता के रूप में उभारकर प्रतिष्ठित कर दिया है। इस परिप्रक्ष्य में ज्यादातर अप्रैवल रेटिंग एजेंसी के सर्वे में मोदी की हैसियत बढ़ी है। कोरोना महामारी के कारण कई देशों और उनके नागरिकों की आर्थिक स्थिति बद्धात हुई है। दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला समृद्ध देश अमेरिका भी इससे अछूता नहीं रहा। महामारी के चलते बड़े पैमाने पर लोगों ने रोजगार गंवाया और इसका असर यह हुआ कि अमेरिका में भूख की समस्या भयावह हो गई। अमेरिका की सबसे बड़ी भूख राहत संस्था 'फीडिंग अमेरिका' की रिपोर्ट के अनुसार दिसंबर-2021 के अंत में पांच करोड़ से ज्यादा लोग खाद्य संकट से ज़ूझ रहे थे। यानी अमेरिका का प्रत्येक छठा व्यक्ति भूखा था। यही नहीं बालकों के मामले में स्थिति का और भी बुरा हाल था, प्रत्येक चौथा बच्चा भूखा रहने को मजबूर हुआ। फीडिंग अमेरिका नेटवर्क ने एक महीने में 54.8 करोड़ आहार के पैकेट बाटे, जिन्हें प्राप्त करने के लिए अमेरिका के डटा में कारों में बैठकर लोग लंबी कतारों में लगे रहे। अमेरिका से आया यह दृश्य अविश्वानीय जरूर लगता है, लेकिन हकीकत है। इधर भारत में अनाज का उत्पादन और भंडारण इतना बढ़ता जा रहा है कि वित्तीय वर्ष 2011-22 में खाद्य मंत्रालय को विदेश मंत्रालय से आग्रह दुनिया उपचार के लिए दवा तय नहीं कर सकता थी, तब भारत ने हाइड्रोक्सी-क्लोरोरेक्टीन गोलियां अमेरिका समेत पूरी दुनिया को उपलब्ध कराई। नतीजतन दुनिया में मोदी की लोकप्रियता में अप्रत्याशित बढ़द्ध हुई। इस कालखंड में अमेरिका की एजेंसी मॉर्निंग कंसल्टेंसी ने एक सर्वे किया। इस सर्वे में साफ हुआ कि मोदी की लोकप्रियता निरंतर न केवल बनी हुई है, बल्कि बढ़ी भी है। सर्वे में मोदी की प्रसिद्धी की दर 55% प्रतिशत रही। इसे सभी प्रमुख वैश्विक नेताओं में सबसे अधिक अंक मिले। रेटिंग एजेंसी फिच व एसबीआई ने कोरोना काल में आर्थिक गतिविधियों लंबे समय तक बंद रहने के बावजूद माना की देश के आर्थिक हालात बेहतर हो रहे हैं। बिगड़ी आर्थिक व्यवस्था की चाल को सुधारने के लिए सरकार के स्तर पर अनेक प्रयास हो रहे हैं। नतीजतन आर्थिक समुद्धि भविष्य में बनी रहना तय है। फिच ने माना की सरकार ने श्रम और कृषि में जो कानूनी सुधार किए हैं। उससे बिचौलिए खत्म होंगे और देश खुशहाल होगा। 2014 में जब मोदी सरकार ने सत्ता संभाली थी, तब भारत की अर्थव्यवस्था बद्धात ही महंगाई आसमान पर थी और दूरसंचार, कोयला, राष्ट्रमंडल खेल एवं आदर्श सोसायटी के घोटालों के उजागर होने से देश शर्मसार था। विदेशी पूँजी निवेश थम गया था। किंतु धीरे-धीरे संस्थागत सुधारों पर बल देते हुए सरकार ने बदूरसंचार हालातों को पूरी तरह नियंत्रण में ले लिया है। यही वजह है कि पिछले तीन साल में 151 अरब डॉलर का पूँजी निवेश भारत में हुआ है। बीते वित्तीय वर्ष में यह उछाल 36 प्रतिशत रहा है। कर्स कानूनों में सुधार की दृष्टि से जीएसटी विधेयक पारित करना क्रांतिकारी पहल

रही। धन का लेन-देन पारदर्शी हो, इस नजरिए से डिजिटल आर्थिकी को बढ़ावा देने के लिए नोटबंदी करना साहसिक पहल थी। जनधन और उज्ज्वला जैसी योजनाओं पर तकनीकि अमल से गरीब को वास्तव में लाभ मिला है। नए कानून लाकर जमीन जायदाद के व्यापार और एनपीए पर जिस तरह से शिकंजा कसा है, उससे लगता है, भाविष्य में अब रियल स्टेट कारोबार में हेराफेरी और बैंकों से कर्ज लेकर विजय माल्या, नीरव मोदी एवं मेहुल चोकसी की तरह चंपत हो जाने वाले कारोबारियों की मुश्कें कसेंगी। इन उपायों से ऐसा लगता है कि देश का ढाँचागत कायांतरण हो रहा है। युवाओं को नए रोजगार सृजित करने की दृष्टि मेजबान देश अतिथि प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति को अपने देश की सर्वोच्च संवेधानिक संस्था संसद में बोलने का अवसर दे ? लेकिन मोदी ने नेपाल, भूटान और फिजी की संसदों को तो संबोधित किया ही, विकसित देश आस्ट्रेलिया की संसद को संबोधित करने का मौका मिला है। इस तरह किसी पश्चिमी देश की संसद को संबोधित करने वाले मोदी पहले भारतीय प्रधानमंत्री हैं। मोदी की चुनूरता प्रवासी भारतीयों को लुभाने में भी पेश आती रही है। इससे पहले देश का कोई प्रधानमंत्री अपने ही रक्त संबंधियों की भावनाओं को इस तरह सम्पोहित नहीं कर पाया ? आस्ट्रेलिया में 28 साल बाद तो फिजी में 33 साल



स स्टाट अप ओर स्ट ड अप जा सो योजनाएं भी लागू की गईं। गोया, भारत हर क्षेत्र में अत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री ने देश मोदी को अंतरराष्ट्रीय सम्मान मिलना और देश को रेटिंग एजेंसियों द्वारा सम्मानजनक स्थान देना, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों के बिना संभव नहीं है। इस हेतु नेंद्र मोदी ने एक के बाद एक बिना रुके, बिना थके ऐश्वार्य व पश्चिमी देशों की सैंकड़ों यात्राएं कीं। इन यात्राओं में मिली अप्रत्याशित सफलताओं ने प्रधानमंत्री को वैश्विक नेता के रूप में उभार दिया है। द्विपक्षीय रिश्तों में उन्होंने नए प्राण डाले। इन सभी यात्राओं की खास बात यह रही कि हिंदी में भाषण देने के बावजूद राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी मोदी का जादू सिर चढ़कर बोलता रहा है। पिछले कुछ दशकों में ऐसा माहौल भारतीय प्रधानमंत्री तो क्या अन्य किसी देश के मुखिया के विदेशी दौरों में दिखाई नहीं दिया। उनके इस जादू के असर का प्रमुख कारण स्पष्टवादिता, दृढ़ता और वैश्विक आतंकवाद को खत्म करने का कठोर संदेश रहा। मोदी के इसी आचरण के कारण ब्रिटेन के प्रधानमंत्री डेविड कैमरेन उनके प्रशंसकों की सूची में शामिल हो गए हैं। अपने पक्ष में मिले इस विश्वव्यापी समर्थन को देखते हुए ही, मोदी ने फिजी में कहा भी था कि ‘भारत विश्व गुरु की भूमिका निभाएगा और अपनी ज्ञानशक्ति से विश्व का नेतृत्व करेगा।’ दरअसल भविष्य का राजनीतिक नेतृत्व ज्ञान आधारित नेतृत्व पर ही टिका होगा, यह संभावना अमेरिका और ब्रिटेन भी जता चुके हैं। राष्ट्राध्यक्षों की विदेश यात्राओं के दौरान फिजी में भी निवेश के लिए विदेशी भारतीयों की अब राजनीति के साथ-साथ अर्थीकृत है। फिजी में भारतीयों की अब राजनीति के साथ-साथ अर्थीकृत है। इसीलिए मोदी को फिजी की संसद को संबोधित करने का अवसर मिला था। फिजी भारत के निकटता अपनी ऐतिहासिक- सांस्कृतिक विवासत और हिंदी के कारण है। वहाँ हिंदी खूब पढ़ी व बोली जाती है। फिजी विश्व हिंदी सम्मेलन भी आयोजित कर चुका है। ईंदिरा गांधी ने भी फिजीवासियों के इस मर्म को समझा था। इस कारण वे भी फिजी गई थीं और उन्होंने द्विपक्षीय वार्ता में फिजी को महत्व दिया था। मोदी ने फिजी सरकार से कृषि व दुर्गम उद्योग के क्षेत्र में बढ़ावे का करार किया था। फिजी को डिजीटल क्षेत्र में भारत मदद कर रहा है। प्रवासी भारतीय हर साल अपने नाते-रिश्तेदारों को 70 अरब डॉलर भारत भेजते हैं। मोदी की निगाहें प्रवासी भारतीयों के इस निवेश को और बढ़ावे पर भी टिकी रही हैं। इसीलिए प्रवासी भारतीय निरंतर भारत में निवेश कर रहे हैं। चूंकि ज्यादातर प्रवासी भारतीय गरीबी की हालत में अपने साथ धरोहर के रूप में गोता और रामायण साथ ले गए थे। मोदी ने इसी सांस्कृतिक विवासत को लेकर दुनिया के देशों की अनेक यात्राएं कीं, इसीलिए दुनिया में प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी भारतीयों के बीच लोकप्रिय हो रहे हैं। दूसरी तरफ वैश्विक आतंकवाद की खिलाफ और मोदी द्वारा सैंकड़ों देशों से नए धरातल पर बनाए द्विपक्षीय संबंधों ने मोदी की लोकप्रियता तो बढ़ाई ही, उन्हें वैश्विक नेता के रूप में स्थापित करने का काम भी किया है।

साहित्यकार और पत्रकार हैं।

LED TV पर ऐसे ऑफर्स, खरीदे बिना रहा ना जाए



वाशिंग मशीन पर पैसा बसूल ऑफर्स



JBL स्पीकर्स - मनोरंजन अवलम्बित



आपके किचन की बढ़ाये शान



सबसे कम दाम गारंटी



डील्स ऐसी, जो कही वामिले



BAJAJ FINSERV **HDB FINANCIAL SERVICES**
आधार लाये, उधार ले जाएं
EMI मात्र ₹990 प्रति माह से थूँ*

EASY EMI
OPTION AVAILABLE

IndusInd Bank Standard Chartered YES BANK CREDIT CARD

दाम में भी कम, विजली खपत भी करे कम



*Terms & Conditions Apply | *Under Exchange

HALDWANI

Tikonia +919997207007
Pilikothi +919690256666
Pilikothi +918923468434

KASHIPUR

Kashipur +91 8303074949
Ranmagar Road +91 8781989500
Cheema Chauraha +91 9012451341
Cheema Chauraha +91 9690785231

RUDRAPUR

Civil Lines +91 8968533331
Kashipur by Pass +91 9690282777
Kashipur by Pass +91 7895741313
Kashipur by Pass +91 9917170230

MORADABAD

Moradabad +91 7017558272
KICHHA +91 7017595920
(Deepak Electronics)

HARIDWAR

Haridwar +91 9761699704
GADARPUR
(Guru Nanak Enterprises)